नस के जरिए (आई वी) आयरन का निषेक

कभी कभी नस में डरिप के जरिए आयरन देने की आवश्यकता क्यों होती है.....

यह पत्रिका आई वी आइरन के निषेक के बारे में कुछ आम सवालों के जवाब देती है। इसमें सभी उपलब्ध जानकारी सम्मिलित नहीं है और न ही यह पत्रिका उसकी जगह नहीं ले सकती जो बात आप अपने डाक्टर या मिडवाईफ़ से कर सकते हैं कि क्यों आपके लिए आई वी आइरन का परामर्श दिया गया है।

आई वी आयरन का निषेक क्या है ?

'इन्टरावीन' या 'आई वी' का मतलब है कि आपकी नस के रस्ते कुछ सीधा आपके शरीर के खून के प्रवाह में भेजना। नस में एक सुई लगाई जाती है (आमतौर पर हाथ के ऊपर के हिस्से या बाजू पर) जो डरिप से जुड़ी होती है जिसमें आयरन एवं सेलाइन (जीवाणुहीन खारे पानी का घोल) का मिश्रण होता है । यह तरल पदार्थ ' डरिप ' (निषेक) किया जाता है नस में और यह आपके शरीर के खून में मिश्रित हो जाता है।

आयरन क्यों महत्वपूर्ण है ?

आयरन शरीर के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हीमोग्लोबिन (रुधिर-वर्णिका) बनाता है, एक रंगद्रव्य जो रैड ब्लड सैल बनाता है। जब शरीर में आयरन की बहुत ज़्यादा कमी हो जाती है तो हीमोग्लोबिन (रुधिर-वर्णिका)का स्तर सामान्य से नीचे हो जाता है। इसे 'आयरन डैफीसैंसी अनीमिया' (आयरन की कमी से शरीर में रक्त की कमी) कहा जाता है ।

हीमोग्लोबिन बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह फेफड़ों मे से आक्सीजन लेकर शरीर के दूसरे हिस्सों में पहुँचाता है। अगर आपके हीमोग्लोबिन या आयरन के स्तर में कमी आती है तो इससे आपको थकावट महसूस होती है और आप रोजमर्रा के काम नहीं कर सकते।

मुझे क्यों आई वी आयरन की आवश्यकता हो सकती है ?

आयरन की कमी के कारण हुई खून की कमी के इलाज का सबसे मामूली तरीका है आइरन की गोली या उसे तरल रूप में लेना। ज़्यादातर लोगों पर यह असर करता है और आमतौर पर इसे ही पहले आजमाया जाता है।

आई वी आइरन की आवश्यकता आपको तभी हो सकती है:

- मुँह द्वारा आइरन सहन करने में असमर्थ हो
- गट (पेट) द्वारा आइरन सोखना असमर्थ हो
- शरीर में से खून निकलने की वजह से पर्याप्त आयरन सोखने में असमर्थ हो
- अगर शीघ्र आपके आयरन के स्तर को बढ़ाना हो जिससे महत्वपूर्ण जटिल रोगों या खून चढ़ाने में मदद मिल सके (जैसे बहुत बढ़े आपरेशन से पहले या बाद, गर्भावस्था के अंतिम दौर में बहुत ज़्यादा खून की कमीं या शिशु के जन्म के बाद)
- आयरन की गोली असर नहीं कर रही हो (जैसे बहुत पुराने स्वास्थ्य रोग की वजह से)
- किडनी(गुर्दा) रोग या हारट फेल हो

आई वी आयरन के खतरे और लाभ

आपका डाक्टर या मिडवाईफ़ जानकारी देंगे कि आई वी आइरन के आप के लिए क्या खतरे, लाभ और उपलब्ध विकल्प हैं। ३३% गर्भवती स्त्रियों को शीघ्र आइरन पौलीमालटोस निषेक के दौरान इसके लक्षणों का अनुभव होता है। अधिकतर मरीजों के यह लक्षण बिलकुल दूर हो जाते हैं जब निषेक की समाप्ति होती है परंतु , बहुत कम केसों में यह जानलेवा भी हो सकते हैं। आयरन की कमीं से हुई खून की कमी में आई वी आइरन का नुस्खा तभी दिया जाता है जब मुँह से ली गई आइरन की गोली आप सहन न कर सकें, उसका आपके ऊपर असर न हो या जल्द काम करने लायक न हो और आई वी आयरन के लाभ आपके केस में अधिक हों और खतरे कम। अगर कोई भी संभावना है कि आप गर्भवती हों, तो अपने डाक्टर या मिडवाईफ़ से बताएं क्योंकि आई वी आइरन गर्भावस्था के पहले तीन महीने दौरान वर्जित की जानी चाहिए।

आई वी आयरन के विकल्प

मुँह द्वारा आयरन: अगर आप मुँह द्वारा ली गई गोली को सहन कर सकते हैं और आपका शरीर उसमें से आइरन सोख सकता है तो यह पहला तरीका है जो आजमाया जाएगा (अगर आपके हीमोग्लोबिन को शीघ्र बढ़ाने की जरूरत न हो)। अगर आयरन की गोली से आपका पेट खराब होता है, तो तरल रूप में आयरन की कम डोज़ आजमायी जाएगी और जैसे जैसे सहन होगी उसकी मात्रा बढ़ाई जाएगी या आयरन

की गोली रोज़ाना की बजाए २ या ३ गोलियां हफ़ते में ली जा सकती है - अपने डाक्टर या मिडवाईफ़ से बात कीजिए क्योंकि यह महत्वपूर्ण है की सही मात्रा आइरन की दी जानी चाहिए। बहुत आइरन की गोलीयाँ यह दावा करती हैं कि वह पेट के लिए कोमल हैं परंतु उनमें इतनी आयरन नहीं होता जो खून की कमी का इलाज कर सके।

खून का निषेक - जब बहुत ज़्यादा खून की कमीं हो या खून बह रहा हो उस वक्त खून का निषेक जिंदगी बचा सकता है। इसमें आई वी आयरन के मुकाबले अधिक खतरे हैं और उस वकत तक वर्जित करना चाहिए जब तक हीमोग्लोबिन के स्तर में शीघ्र बढ़ावा नहीं चाहिए (जब लाभ ज़्यादा हो खतरे से)।

खुराक - एक बार जब किसी इंसान के शरीर में आयरन कम हो जाती है और खून की कमी हो जाती है तो यह मुश्किल हो जाता है कि उतनी आइरन वापिस उसके शरीर में डाल दी जाए चाहे वह आयरन से भरपूर खुराक भी लें।

आई वी आयरन लेने से पहले

अपने डाक्टर या मिडवाईफ़ से बताएँ अगर आप:

- गर्भवती हैं या गर्भवती होने की कोशिश कर रहीं हैं
- कभी पहले अस्थमा (दमा) , खुजली या ऐलर्जी की शिकायत हो
- कभी पहले किसी प्रकार के आयर्न के टीके या निषेक से कोई प्रतिक्रिया हुई हो
- कभी पहले आयरन के स्तर में बढ़ोतरी, हीमोकरोमैटोसिस या जिगर के रोग हों
- किसी प्रकार की दवाई लेते हों (जिसमें होमोपैथी और सीधी दुकान से मिलने वाली दवाईयाँ भी शामिल हैं)

कितनी आयरन की आवश्यकता है ?

आपका डाक्टर या मिडवाईफ़ यह हिसाब लगाकर बता सकते हैं कि आपके हीमोग्लोबिन स्तर को नारमल करने के लिए आपको कितनी आयरन की ज़रूरत है और साथ ही भविष्य के लिए आयरन का भण्डार आरक्षित हो । शरीर को जितनी आयरन की आवश्यकता हो अगर वह सारी एक निषेक (एक ही इलाज) में दे दी जाए तो उसे 'टोटल डोज़' निषेक कहा जाता है।

कभी कभी टोटल डोज़ की आवश्यकता होती है परंतु आमतौर पर थोड़ी मात्रा में दी गई आई वी आयरन ही जो हीमोग्लोबिन के स्तर को इतना बढ़ाने में मदद करती है जो लक्षणों में सुधार लाने के लिए काफ़ी है और खून के निषेक को वर्जित रखने में सहायता करती है। बाकी की आयरन भी धीरे धीरे आने वाले महीनों में गोली के माध्यम से शरीर में वापिस डाली जाती है ।

आयरन कुछ हफ़्ते लेती है अपना पूरा असर करने के लिए और आपका डाक्टर या मिडवाईफ़ आपका हीमोग्लोबिन स्तर जाँच करके देख सकते हैं कि यह आपके ऊपर कितना असर कर रही है।

आई वी आयरन के प्रकार

आयरन पौलीमालटोज़ (फैरोसिग या फैरम एच): इसे एक बार में बड़ी डोज़ के ज़रिए दिया जा सकता है ('टोटल डोज़' निषेक) या कई घंटों में थोड़ी थोड़ी ।(प्राथमिक उत्पाद)

आयरन सुकरोज़ (वेनोफर) बड़ी डोज़ के रूप में नहीं दी जा सकती लेकिन आधे घंटे में कम डोज़ की लड़ी के रूप में दी जा सकती है जो आने वाले दिनों और हफ़्तों में दोहराई जाती है।

आयरन कारबौक्सीमालटोज़ (फैरिन्जैक्ट) मध्य डोज़ के रूप में १५ मिनट के दौरान दी जा सकती है। हो सकता है किसी और समय इसे दोहराने की आवश्यकता पड़े।(अभी उपलब्ध नहीं है)

आई वी आयरन के साईड अफैक्ट (बुरे असर)

जो मरीज़ आयरन निषेक ले रहे हों उन्हें इसके साईड अफैक्ट का अनुभव हो सकता है जिसमें शामिल है:

- अस्थायी तौर पर स्वाद में बदलाव (जैसे धातु का)
- सिरदर्द, उल्टी जैसा महसूस होना या उल्टी होना
- माँसपेशी और जोड़ों में दर्द
- साँस फूलना
- खुजली , रैश
- ब्लड प्रैशर या नब्ज़ में बदलाव
- टीके की जगह पर जलन और सूजन
- खतरनाक साईड अफैक्ट बहुत कम होते हैं। नर्स वर्ग आपको नज़दीक से जाँचते रहेंगे इन साईड अफैक्ट के लिए

आइरन निषेक के दिन

- अपना नाश्ता / लंच कर लें। आयरन निषेक के दिन भूखे पेट रहने की आवश्यकता नहीं है।
- अपनी सभी नियमित दवाईयाँ लें
- निषेक के बाद आप अपनी गाड़ी चलाकर घर जा सकते हैं और रोज़मर्रा की गतिविधियाँ शुरू कर सकते हैं (अगर अचानक कोई प्रतिक्रिया न हो)
- आयरन आपको छोटी आई वी डरिप के द्वारा दी जाएगी जो आपकी बाजू में लगेगी

- अगर आपको कोई भी साईड अफैक्ट का अनुभव हो तो तुरंत अपनी नर्स से बताएँ

आयरन निषेक के बाद

कभी कभी साईड अफैक्टस निषेक के एक या दो दिन बाद शुरू होते हैं जिसमें सिरदर्द, हल्का बुखार, जोड़ों और माँसपेशी में दर्द शामिल है। थोड़े दिनों बाद यह अकसर अपने आप ठीक हो जाते हैं। आयरन पौलीमालटोज़ की 'टोटल डोज़' निषेक के बाद यह आम तौर पर होते हैं । अगर आपको कोई चिंता है या रोजमर्रा के काम में यह बाधा डाल रहे हों तो अपने डाक्टर या मिडवाईफ या निषेक सैंटर से सलाह लें। **अगर आपकी छाती में दर्द है, साँस लेने में परेशानी है, चक्कर आना या गले / मुँह में सोजिश हो तो शीघ्र मैडीकल सहायता लें / ऐंबुलैंस को बुलाएं (१११)**

आयरन निषेक के बाद एक सप्ताह तक आयरन की गोली बंद करनी चाहिए *क्योंकि जो आयरन उनमें है उसे शरीर सोख नहीं सकेगा। अगर आप एक से अधिक आयरन निषेक लेते हैं तो उस इलाज के दौरान भी आयरन की गोली बंद रखें। आई वी आयरन निषेक के बाद अकसर इसकी आवश्यकता नहीं पड़ती (खासकर 'टोटल डोज़' देने के बाद):अपने डाक्टर या मिडवाईफ़ से जानकारी लें कि आयरन की गोली की अगर आवश्यकता है तो कब है।*

अस्पताल में संपर्क का विवरण:

अपाइंटमेंट की तारीख: **समय:** **जगह:**

ब्लड टैस्ट की तारीख:

अधिक जानकारी के लिए : अपने डाक्टर या मिडवाईफ से बात करें